

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्वियूबेशन सेन्टर के लिये करार चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार (अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनजी स्वराज फाउन्डेशन के मध्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के लिये इन्वियूबेशन सेन्टर



बनाने के अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये। इस करार का मुख्य उद्देश्य मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा क्षेत्र के नागरिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूक और प्रशिक्षित करना है। आज जब भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। तब उसके उत्पादन, संरक्षण, प्रबन्धन तथा रख-रखाव के लिये प्रशिक्षित कामगारों तथा उद्यमियों की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह करार किया गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर श्री हरिश गुरनानी के द्वारा सोलर के क्षेत्र में स्किल डिवलोपमेन्ट की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्वियूबोशन सेन्टर के लिये कारार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरारा। मेवाड़ विश्वविद्यालय तथा एनजीी स्वराज फाउन्डेशन के मध्य सौर ऊर्जा के क्षेत्र में संयुक्त प्रयासों के लिये इन्वियूबोशन सेन्टर बनाने के अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये। इस कारार का मुख्य उद्देश्य मेवाड़ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा क्षेत्र के नागरिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जागरूक और प्रशिक्षित करना है। आज जब भारत हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। तब उसके उत्पादन, संरक्षण, प्रबन्धन तथा रख-रखाव के लिये प्रशिक्षित कामगारों तथा उद्यमियों की आवश्यकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कारार किया गया है। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेन्ट विभाग के डायरेक्टर श्री हरिश गुरनानी के द्वारा सोलर के क्षेत्र में स्किल डेवलपमेन्ट की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। एनजीी स्वराज फाउन्डेशन की सीईओ स्वाति कलवार ने मेवाड़ विश्वविद्यालय के इस कदम की सराहना की और इसे एनजीी से स्वराज प्राप्ति की दिशा में



मेवाड़ क्षेत्र के लिये एक अभूतपूर्व कदम बताया। इस फाउन्डेशन की स्थापना प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी, आईआईटी मुम्बई के द्वारा की गई और वर्तमान में वे 11 वर्ष के लिये एनजीी स्वराज यात्रा पर निकले हुए हैं। यह यात्रा नवम्बर 2020 में मध्यप्रदेश से प्रारम्भ होकर राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं तेलंगाना में होते हुए निरन्तर गतिमान है ताकि लोगों को सौर ऊर्जा के उपयोग के लिये

प्रेरित किया जा सके। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.एस. राणा, रजिस्ट्रार बी.एल. स्वर्णकार, डीन एकेडमिक डी.के. शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ति शास्त्री, डिप्टी डीन इंजीनियरिंग कपिल नाहर तथा आईक्यूएसी संयोजक जितेन्द्र वासवानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनजीी स्वराज फाउन्डेशन की ओर से निकिता अरोड़ा द्वारा किया गया।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में इन्विट्रूबेशन सेक्टर के लिये कारार

प्राची, 24 अक्टूबर (ग्रन्थ)

। ये वाह विश्वविद्यालय नगर पक्षी समाज फ्रान्सोस का अध्ययनी उद्योग के बीच में महत्व पूर्ण हो के इन्हें इन्हें फ्रान्सोस गोद्धार चलाने के अन्यथा प्राप्ति नहीं हो सकती ।

इस कत्ता का मुख्य दोष
केवल विष्वायकदूष के लाली रूप
कीर के समिक्षा को देने की कठी के
कोड में जास्तक और प्रीतिश्वायक दूष
ही अज जब भाव छोड़ने की ताक
उपर्युक्त संवेदन प्रक्रिया रूप सह-
रसायन के द्वितीय प्रीतिश्वायक कामों
की उपर्युक्त समिक्षा की अवधारणा ही
इसी की व्याप में गहरे दूरे का कत्ता
नियम का है। इस अवधारणा पर केवल
विष्वायकदूष के ट्रैनिंग पर्याप्तताएँ
विभाग के व्यावधारणा द्वारा कानूनी ने
सौन्दर्य के द्वारा में विस्तृत लक्षणोंपर
की कत्ता पर प्रक्रिया देता। प्रक्रिया
स्थानीय संस्कृतान के महान् विवरि-



कलावार ने बिल्डिंग्स के द्वारा
कलाय की महात्मा की ओर से प्रसाद
में स्थान प्रति की इक्की से भवदुखों
के लिए एक अपूर्जनीय कलाय महात्मा
फटन-देवन की स्थापन को लेकर विश्व-
प्रिय स्तोत्री, वह उन्होंने मुख्य देवता
की ओर और योगीमन में वे 11 वर्ष के
लिए प्रस्तु रथाज यात्रा का निर्णय
दी है। यह यात्रा नवम्बर 2010 के
मध्याह्न से एकल दूरी का अवधि,
विश्व दरबारी यात्रा एवं उसीना-
में जो दो निम्नान वीर्यान हैं। नवम्बर

सोची को और ऊंचे के अवैत के
लिये इसे किया जा सकता है। इस
अवैत पर केवल निष्ठापनिवास के
कालीन है किया जाता है जिसका
बोध स्वरूप है कि उन फैली-फैली
होंगी जब तिनों केवल दोनों दोनों
जाति तिनों दोनों दोनों दोनों
नाम तथा वार्ताएँ लड़ीज़क
जिहान वासियों और वासियों को
कराकर का संवाद एवं जो सारा जा
यकृदारों को भी दोनों दोनों
द्वारा किया जाता